

इलाहाबाद विकास प्राधिकरण

100

७८

पत्रांक : २४/A/प्र०३०-मवन/ज०९-१/२०१२-१३ दिनांक ०१/०३/२०१३

दिवियमितीकरण/अनुमति-पत्र

मह विनियमितीकरण/प्रस्तावित नेट०९ की अनुमति लगाता है। इसके अंदरियन
१९७३ की धारा ३२ एवं ११/१५ के अन्तर्गत दो जरूरी हैं किन्तु अध्यैष्ट वह न सन्दर्भ याहिये के उस मूने के
सामने हैं जिस पर विनियमितीकरण/प्रस्तावित मानवित नीतीपूर्त किया गया रहा है, इससे किसी एकारण के कठीनीय
सिकाया गया इसका स्थानीय अधिकारी गया यह अध्यैष्ट फैन के नालेकाना अधिकारी नहीं कर सकते क्योंकि
अध्यैष्ट उड़ाना अर्हा है, यह अनुमति किसी के मिलेगा या त्वामित के अधिकारी के द्वारा काढ़े प्रभाव न रखेगा।

श्रीमती इयामकली कुशवाहा, प्रबन्धक, न्यू मार्डेन परिविक स्कूल द्वारा आराधी संख्या-४० (पार्ट) गौधी-
सराय बेगम एवं खूफ़ूँड संख्या-C पॉफेट-B नीम सराय आवारा योजना इलाहाबाद जाता राष्ट्रा (1) के अन्तर्गत
दसिल मानवित के विनियमितीकरण/प्रस्तावित निर्माण की अनुमति निभाकेह प्रतिबन्धों के अधीन- प्रदान की
जाती है :

१. २०१० नाम विनियोजन एवं विकास लाईटिंग १९७३ की धारा १५ (1) के प्रादितानों के अनुरूप गत निर्माण
एवं विकास उपायोंमि २००८ में उपलिखि संख्या-२.१.९ ५वं ३.१.८ में निर्दिष्ट प्रक्रिया पूर्ण कर दूसरा ग्राम पत्र
प्राप्त करना आवश्यक है।
२. यह रायीकृत अनुमति स्वीकृति के रूप में होगी। निभान पूर्ण होने के लक्षण, सभी
आवश्यक Mandatory Clearances/N.O.C की जाती हुई कर्ता के परवाना, निर्दिष्ट छिपे जाने वाले
'उपता इनान-पत्र' ग्राम करना उपर्याप्त होगा उप वस्त्रम लम्जा औपलारिकटा० दूरी लिगा जान आवश्यक
है।
३. नानार्थ ज्ञानालय में कोई दाव होने अभ्यर्थ लगाने होने लिए रखिये गए अनुरूप गाननीय न्यायालय के
निर्णय के अधीन होगी, उप वित्त सन्दर्भों गोत्रों में विषय एवं ग्राम नाम निरस्त रामज्ञा जावेगा।
४. रथल पर ४X३ घिट का एक बोर्ड लगातार लोगोंपूर्वी रास्ते पैदल अंकित करना होगा।
५. रथल पर १० शाद यह लगाने होने तथा गृहों को हरा-मरा रखने के दाविय शायदक का भोगा।
६. रथल पर ५० रेतातर हर्गस्तुंडा भाग के अनुशार दूरी कर भू-भूर्ज उल बोर्ड से अनापति प्राप्त उन्नत लानियाँ
होंगी।
७. स्थल एवं रोपावाल दातर हीहिं। भवत के रथालना अनीतान रुग्नों द्वारा भरनी होगी।
८. विभिन्न रामाए पर दारी शासानदेश एवं नियमों का चालन उन्ना होगा तथा ग्रामिकम् एवं कोई इलाका
जारीप्रति करना है तो उसे आवेदिता लो जाना लगता होगा।
९. टाइ आयेडू द्वारा कोई नहलपूर्ण धूचा लियागी गयी है अध्यैष्ट गलत रुग्ना तो नहीं है तो २०१० नाम
विनियोजन ५८ टिकास अधिनियम १९७३ की धारा ५ (3) के अन्तर्गत गानवित निरस्त करने योग्य होगा।
१०. यदि गृहपूर्वों का लाट-विनियोजन अध्या यार्ल लग रोड इच्युदि का अतिलगान टिकासकर्ता इसी लिया जाता है
तो इनियोजन इस विनियोजन उन्नत ३०१० नाम विनेयन एवं विकास अधिनियम १९७३ की शुरुआत धाराओं के
अन्तर्गत कर्त्ता ही की जावेगी।
११. नृ०० निभान से यदि नाली के रुक की पत्ती अथवा राफ़ का नाली के किसी नाम ही जकान के
उपर यार्ल ऐलाके अध्या उसके आलार के करण तक नहीं है, को दारी पत्ती तो गृहस्वामी रोपावाल ही जाने
पर १५ दिन के शीतल उथाना गांवे विकास ग्रामिकरण ने एक डिविट रुग्ना उरा और शीष कहा यो पहले ही
उस लापने रुप्ते हो ग्रामित करकर दूर्वित रास्ता जिससे विकास ग्रामिकरण को सन्तोष दो जाय, मैं कर
देगा।
१२. गृह निर्माण के साथ इलाका भी इस रथल होगा कि भास्तीय वेद्युत अधिनियम १९५३ (इण्डियन
इलेक्ट्रिसिटी लॉल्स १९६२) नियम १२ वा १३ उल्लंघन किसी भी दश में न होना चाहिए। यदि विकास ग्रामिकरण
की जनपाली में ऐसे गमले गये गये हो रहे एवं नियम के शोल अध्यैष्ट इन्होंना सम्भवा है।
१३. आयेदक लो नियम ग्रामिकरण को ग्राम की नीत लल तथा इत्त लल अनुभाव इसे उप रथल के दूरी
हो जाने की लूचना लकान अध्यैष्ट होने से पूर्व दिना होगा तथा उस आदमी यो नाम भी देगा होगा जिसके
नियमण में महन नियम हुआ है।
१४. यदि नेट०९ में मार्टर लान का चलांधन होता गया तो निर्माणकर्ता वो दी गई रवीपूर्ति रद्द रामझी
जावेगी और किंग गया। निर्माण अनविकृत भोगेत लात रुक्त अधिनियम ५० वारा २७ (1) के अन्तर्गत गांवांकी
उन्नत की जावेगी।

४०१/०३/१३
(ग्रामपाली श०१)
संयुक्त साधिव/प्र०३०-मवन
इलाहाबाद विकास ग्रामिकरण,
इलाहाबाद ८००-

अनुमति पत्र
संयुक्त साधिव/प्र०३०-मवन
प्र०३०-मवन
ग्रामपाली

